DR. MADHULIKA (Dept. of political Science)
Adesh college, Rajdhanwar

Sem - VI - DSE - 3B
(Party System in India)

2. झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के संगठन एवं कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करें

उत्तर :-

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की स्थापना एक राजनीतिक पार्टी के रूप में नहीं वरन् एक मोर्चा के रूप में हुआ था। जिसका उद्देश्य झारखण्ड के लोगों पर हो रहे अत्याचार तथा उनकी उपेक्षाओं को दूर करना था। इस पार्टी के निर्माण में मुख्य रूप से तीन सम्प्रदाय के लोग जुड़े हुए थे - (1) बिनोद बिहारी महतो - जो महतो सम्प्रदाय का नेतृत्व कर रहे थे।

(2) शिबू सोरेन - जो आदिवासी समुदाय का नेतृत्व कर रहे थे और

(3) बंगाल सम्प्रदाय के लोग थे।

एक राजनीतिक पार्टी के रूप में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा 1983 के अधिवेशन में अस्तित्व में आया। इस पार्टी की प्रथम बैठक 1983 में धनबाद में हुआ था। वर्तमान में इस पार्टी के अध्यक्ष शिबू सोरेन है। तथा यह झारखण्ड में कॉंग्रेस, राजद आदि बड़े दलों के साथ सरकार में बनी हुई है।

जनाधार :-

इस पार्टी का जनाधार झारखण्ड के उन सभी लोगों का है जो झारखण्ड के मूल निवासी है। झारखण्ड के सभी लोगों को लेकर चलने की बात करती

Scanned by CamScanner

है। झारखण्ड के आस-पास के राज्यों में भी JMM का आधार है।

संगठन :-

JMM की संगठन की जानकारी हमें इसके संविधान से मिलती है। JMM के संविधान के दो भाग है :-

प्रस्तावना और अनुच्छेद भाग

प्रस्तावना :-

JMM, झारखण्ड की शोषित, पीड़ित एवं पश्चात के लिए संघर्षरत, प्रगतिशील एवं उच्च आदर्शों वाली जनता की एक राजनीतिक संगठन है, जिसका लक्ष्य झारखण्ड की पहचान हासिल करना है एवं एक समृद्ध राज्य का निर्माण करना है। JMM, भारतीय गणराज्य के अन्दर समाजवाद पर आधारित एक प्रान्त के रूप में झारखण्ड का निर्माण करने का लक्ष्य अपने सामने रखती है, जिसमें मनुष्य के द्वारा मनुष्य का शोषण की कोई सम्भावना न हो। JMM का लक्ष्य उस आमूल परिवर्तन के साथ जुड़ा हुआ है जिसके अन्तर्गत पिछड़ापन, दरिद्रता, बेरोजगारी, एवं अशिक्षा को समूल उखाड़ कर स्वास्थ्य, खुशहाल तथा सांस्कृतिकता पर आधारित उन्नतशील समाज का निर्माण करना है।

अनुच्छेद भाग :-

JMM के संविधान में प्रस्तावना के अलावा एक और भाग अनुच्छेदों का है। इसमें कुल २५ अनुच्छेद है। इन अनुच्छेदों में पार्टी का नाम, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, संगठन का चिन्ह आदि का

Scanned by CamScanner

उल्लेख है। सदस्यता, पार्टी की घोषणा, सदस्यता शुल्क समेत सदस्यों का कर्तव्य, अधिकार, विभिन्न स्तर एवं महाधिवेशनों की विस्तृत चर्चा इसके विभिन्न अनुच्छेदों में की गई है।

JMM की कार्य और नीतियाँ :-

किसी भी पार्टी के कार्य एवं नीतियों की जानकारी उस पार्टी के घोषणापत्र द्वारा प्राप्त होता है। अतः JMM के घोषणा पत्र द्वारा उसके कार्य व नीतियों की जानकारी मिलती है जो इस प्रकार है :-

1. झारखण्ड राज्य के गठन आन्दोलन के क्रम में दर्ज हुए मुकदमों की वापसी की मांग करता है।
2. झारखण्ड के सर्वांगीण विकास के लिए चलाये जाने वाली योजनाओं का गाँव, मुहल्ला, स्तर पर स्थानीय निवासियों के आकांक्षा के अनुरूप निर्माण एवं क्रियान्वयन किया जाय
3. झारखण्ड के विस्थापितों के लिए पुनर्वास की नीति बनाया जाय
4. झारखण्ड में बंगला एवं उर्दू को द्वितीय राजभाषा का दर्जा मिले।
5. आदिवासी सभ्यता और संस्कृति की रक्षा की जाय।
6. झारखण्ड की प्राकृतिक सम्पदा को दोहन से रक्षा करना
7. झारखण्ड में जनजातीय एवं महिला आयोग का गठन हो।
8. पंचायत स्तर पर महिलाओं के उचित प्रतिनिधित्व के लिए 50% आरक्षण की जाय।

Scanned by CamScanner

9. झारखण्ड में जंगल बचाने के लिए ठोस कार्य योजना का निर्माण हो।

10. झारखण्ड में कार्यरत सभी प्रकार के सार्वजनिक उपक्रम का मुख्यालय झारखण्ड में स्थानान्तरित की जाय

11. विधि व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए पुलिस विभाग का पुनर्गठन किया जाय

12. झारखण्ड में धार्मिक एवं जातीय वैमनस्यता फैलाने वाले संगठनों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाय।

Scanned by CamScanner